noh vfgY;k fo’ofo|ky;]bUnkj
l= 2013&14 l iHkko’khy
,e0,0 lLdr
iFke i’ui= & on
iFke leLVj

इकाई–1 ऋग्वेद–सूक्त पूर्णांक 85+15 सी.सी.ई

1. अग्नि 1.1 2. इन्द्र 2.12
3. विश्वामित्र–नंदी संवाद–3.33 4. वाक् 10.125
5. पर्जन्य 5.83

उपर्युक्त मंत्रो में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–2 ऋग्वेद सूक्त

1. हिरण्यगर्भ 10.121 2. नासदीय 10.129
3. पुरुष 10.90 4. कितव 10.34

चार मंत्रो में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–3 यजुर्वेद तथा अथर्ववेद के सूक्त–

1. शिवसङ्.कल्प 34.1–60 2. योगक्षेम 22.22
3. साम्मनस्य 3.30 4. राष्ट्राभिवर्धनम् 1.29

चार मंत्रों में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या 17

इकाई–4 ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद्–

1. वाक् मनस् संवाद शतपथ ब्राह्मण 1.4.5.89.13
2. पुरुषविभूति – एतरेय आरण्यक ।।.1.7
3. पंच महायज्ञ –तैत्तरीय आरण्यक ।।.10
4. ईशावास्योपनिषद्

उपर्युक्त से संबंधित कोई चार सामान्य प्रश्न अथवा टिप्पणियॉ प्रष्टव्य है, जिनमें से किन्हीं दो का उत्तर देय होगा । 17

इकाई–5 वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय – वैदिक संहिता,ब्राम्हण,आरण्यक तथा उपनिषद ।

आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ प्रष्टव्य है । 17

अनुशंसित ग्रन्थ–1–न्यू वैदिक सिलेक्शन मास्टर भाग–2 ब्रजबिहारी चौबे,भारतीय विद्या

प्रकाशन
2–वैदिक साहित्य एवं सस्कृति–आचार्य बलदेव उपाध्याय
3– वैदिक साहित्य का इतिहास – आचार्य कपिलदेव द्विवेदी

f}rh; Ik'u i= & onkx
iFke lkeLVj

पूर्णांक अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 निरुक्त–प्रथम अध्याय (यास्क कृत) 17
(व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई–2 निरुक्त– द्वितीय अध्याय (यास्क कृत) 17
(व्याख्या एवं निर्वचन)

इकाई–3 ऋक्प्रातिशाख्य प्रथम पटल 17
(व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई–4 पाणिनीय शिक्षा 17
(व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)

इकाई–5 षड्वेदांगो का सामान्य परिचय 17
(किन्हीं दो पर टिप्पणी)

ध्यातव्य :– प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प सहित प्रश्न प्रष्टव्य हैं ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. निरुक्त (यास्क कृत)– उमाशंकर शर्मा ऋषि।
2. पाणिनीय शिक्षा–डॉ0 कमला प्रसाद पाण्डेय।
3. ऋक् प्रातिशाख्य–डॉ0 वी0के0 वर्मा।
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय।

r'rh; i'u i= &ikfy] ikd'r rFkk Hkk"kkfoKku
iFke lkeLVj

पूर्णांक अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 पालि साहित्य (पालि,प्राकृत,अपभ्रंश संग्रह) 17
बावेरू जातकम्, धम्मपदसंगहो, मायादेवियासुपिनं, तथा महाभिनिक्खमनम्।
किसी एक पाठ्यांश की व्याख्या 07
किसी एक पाठ्यांश की संस्कृत छाया /अनुवाद 05
समीक्षात्मक प्रश्न 05

इकाई–2 प्राकृत साहित्य (पालि,प्राकृत,अपभ्रंश संग्रह) 17

गिरिनार अभिलेख, खारवेलस्य हाथीगुम्फा
गुहाभिलेख, गाहासत्तसई, कर्पूरमंजरी, तथा अभिज्ञानशांकुतलम्
किसी एक पाठ्यांश की व्याख्या 07
किसी एक पाठ्यांश की संस्कृत छाया/अनुवाद 05
समीक्षात्मक प्रश्न 05

इकाई–3 भारतीय भाषाशास्त्रीयचिंतन 17

आचार्य पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, तथा भट्टोजिदीक्षित का भाषाशास्त्रीय योगदान ।
समीक्षात्मक प्रश्न अथवा टिप्पणियॉ ।

इकाई–4 भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान की शाखाएं, 17

भारोपीय भाषा परिवार, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं (पालि, प्राकृत, तथा अपभ्रंश)

इकाई–5 ध्वनिविज्ञान– वाग् यन्त्र, ध्वनिपरिवर्तन, ध्वनि–वर्गीकरण
अर्थविज्ञान (अर्थावबोध– संकेतग्रहण, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद)
अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ
वाक्य विज्ञान– वाक्य का स्वरूप एवं प्रकार, वाक्य परिवर्तप के कारण

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पालि– प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह– रामअवध पाण्डेय। विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
2. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी ।
3. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका– डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

prFk i'ui= & dk0;
iFke lseLVj

पूर्णांक अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 मेघदूतम् (पूर्वमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न) 17

इकाई–2 मेघदूतम (उत्तरमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न) 17

इकाई–3 कुमारसंभवम्– पंचम सर्ग (दो पद्यो की व्याख्या) 17

इकाई–4 कुमारसंभव काव्य पर समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–5 संस्कृत कथा–काव्यों का सामान्य परिचय – हितोपदेश, पंचतंत्र, वृहत्कथा, कथासरित्सागर, शुक सप्तति, वंतालपंचविंशति तथा अन्य प्रमुख कथा–काव्य । 17

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मेघदूतम्– कालिदासकृत
2. कुमारसंभवम् – कालिदासकृत
3. महाकवि कालिदास – रमाशंकर तिवारी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. कालिदासः अपनी बात – डॉ0 रेवाप्रसाद द्विवेदी
6. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

Hkkjrh; n'kZu iFke i'u i=
f}rh; lseLVj

पूर्णांक अंक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई–1 तर्कभाषा – केशवमिश्रकृत (प्रामाण्यवाद पर्यन्त)
आन्तरिक विकल्प सहित व्याख्या/प्रश्न 17

इकाई–2 वेदान्तसार –सदानन्दकृत 17
आन्तरिक विकल्प सहित व्याख्या/प्रश्न

इकाई–3 समालोचना 17

1. तर्कभाषा– 09
2. वेदान्तसार– 08

इकाई–4 जैनदर्शन का परिचयात्मक अध्ययन 17

इकाई–5 परिचयात्मक अध्ययन 17

1. बौध्द दर्शन – 09
2. चार्वाक दर्शन – 08

ध्यातव्य – तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम इकाई से आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियाँ प्रष्टव्य है ।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. तर्कभाषा – केशव मिश्रकृत – आचार्य विश्वेश्वर
2. वेदान्तसार– सदानन्दकृत– संपादक – रमाशंकर तिवारी
3. भारतीय दर्शन– वाचस्पति गैरोला
4. भारतीय दर्शन– डॉ0 राधाकृष्णन
5. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय

lk[; ,o ehekalk n’kZu
f}rh; lseLVj f}rh; iz’u i=

पूर्णांक अंक 85+ 15

इकाई–1 सांख्यकारिका– ईश्वरकृष्णकृत 17
(आन्तरिक विकल्प सहित दो कारिकाओं की व्याख्या)

इकाई–2 सांख्यकारिका पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–3 मीमांसादर्शन – अर्थसंग्रह – श्री लौंगाक्षिभास्कर कृत 17
(आन्तरिक विकल्प सहित कोई दो व्याख्या)

इकाई–4 अर्थसंग्रह पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न 17

इकाई–5 परिचयात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन 17
1. योगदर्शन – 09
2. वैशेषिक दर्शन – 08

अनुणंसित ग्रन्थ –

1. सांख्यकारिका संपादक डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र, इलाहाबाद
2. सांख्यकारिका– संपादक डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी दिल्ली
3. अर्थसंग्रह – संपादक पं. शोभित मिश्र चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी
4. भारतीय दर्शन – वाचस्पति गैरोला
5. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय दर्शन– डॉ0 उमेश मिश्र
7. सर्वदर्शनसंग्रह

dk0;'kkL=
f}rh; lseLVj r`rh; iz’u i=

पूर्णांक अंक 85 + 15 सी.सी.ई

इकाई–1 प्रमुख काव्यशास्त्रीय चिन्तक एवं सिद्धांत 17
(आन्तरिक विकल्प सहित एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ)

इकाई–2 काव्यप्रकाश – प्रथम एवं द्वितीय उल्लास 17

इकाई–3 काव्यप्रकाश– चतुर्थ उल्लास (रसभेद पर्यन्त) 17

इकाई–4 काव्य प्रकाश– पंचम उल्लास 17

इकाई–5 काव्यप्रकाश–सप्तम उल्लास (मात्र रसदोष) तथा अष्टम उल्लास 17

ध्यातव्य – इकाई द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम से आतंरिक विकल्प सहित व्याख्या एवं प्रश्न दोनों प्रष्टव्य है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश (मम्मटकृत) – व्याख्याकार – आचार्य विश्वेश्वर
2. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 सत्यदेव चौधरी
3. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ0 गणेश. त्र्यंबक देणपाण्डे
4. काव्य प्रकाश(मम्मटकृत) –संपादक– बामनाचार्य मालवीकर

vokphu lLd`r lkfgR;
f}rh; leLVj prFk lk'u i=

कुल अंक 85 + 15 सी.सी.ई

इकाई–1 विवेकानन्द विजय नाटकम् – श्रीधर भास्कर वर्णेकर 17

इकाई–2 भावमाला – डॉ. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी 17

इकाई–3 इक्षुगन्धा – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र 17

इकाई–4 इकाई प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय से समालोचनात्मक प्रश्न 17

(एक प्रश्न अथवा दो टिप्पणियॉ)

इकाई–5 (अ) 19 वी शताब्दी का संस्कृत साहित्य 05

(आ) 20 वी शताब्दी का संस्कृत साहित्य 05

(इ) संस्कृत पत्र–पत्रिकाओं का परिचय 07

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. विवेकानन्द विजय नाटकम् – श्रीधर भास्कर वर्णेकर
2. भावमाला – डॉ. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी
3 इक्षुगन्धा – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
4 संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

5. आधुनिक संस्कृत साहित्य – डॉ. हीरालाल शुक्ल
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – वाचस्पति गैरोला
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पाण्डे एवं व्यास